भारत तथा विश्व में आतंकवाद की समस्या :-

आतंकवाद आज एक विश्वव्यापी घटना है जो परमाणु बम से भी अधिक भयावह बन गया है जिसमें सामुदायिक, महानगर, एवं राष्ट्रीय संसाधन को तोड़ने एवं विघटन करने की शक्ति पाया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार आज दुनिया में 2000 से अधिक छोटे-बड़े आतंकवादी संगठन है जो राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विस्फोट, नरसंहार एवं व्यापक भय फैलाकर राष्ट्रीय मूल्यों को नष्ट करता है।

समाज विज्ञान विश्वकोश के अनुसार "आतंकवाद एक ऐसा तरीका है जिसके द्वारा कोई संगठित समूह अथवा दल अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु हिंसा को योजना बद्ध रूप से उपयोग करता है।"

अमेरिकी प्रशासन के "अनुसार "आतंकवाद का तात्पर्य हिंसा अथवा धमकि से सम्बन्धित उन सभी कार्यों से है, जिनका उद्देश्य किसी राज्य अथवा संगठन के हितों को क्षति पहुँचाना अथवा उससे किसी प्रकार की रियायत पाना हो"। अतएव, आतंकवाद को हिंसा का अभियान है जो भय, नरसंहार एवं अमानवीय व्यवहार द्वारा राजनीतिक उद्देश्य प्राप्ति करना चाहता रहता है।

आज दुनिया में सबसे आतंकवाद विकराल है। आतंकवाद के दो प्रमुख चेहरे है - एक धार्मिक आतंकवाद और दूसरा राजनीतिक आतंकवाद। धार्मिक आधार पर सर्वप्रथम हगानाह नामक कट्टर आतंकवादी की स्थापना 1920 में हुआ। राजनीतिक आतंकवाद का आरम्भ 1921 में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी द्वारा हुआ। भारत में आज धार्मिक और राजनीतिक आतंकवाद पाया जाता है जो आंतरिक और बाह्य आतंकवाद में भी हुआ है।

Scanned with CamScanner

आतंकवाद के उद्देश्य :- Aims of Terrorism
आतंकवाद वर्तमान में अपराध का सबसे व्यापक और गम्भीर रूप है। भारत सहित सम्पूर्ण विश्व को विघटनात्मक कार्यों द्वारा समाज को अस्थिर करना है। इसके निम्नांकित उद्देश्य हैं-

1. समाज में अस्थिरता लाना।
2. राज्य सत्ता को अस्थिर करना।
3. हिंसक गतिविधियों द्वारा सरकार और समाज पर दबाव डालना।
4. विकास कार्यों को बाधित करना।
5. अपने उद्देश्यों एवं लाभ के लिए समाज में तोड़-फोड़ एवं विध्वंसात्मक घटना करना।
6. शासन की सैन्य शक्ति को भ्रमित एवं बाधित करना।
7. पड़ोसी देश का सहानुभूति पाना,
8. एक गलत विचारधारा का जन्म देना
9. भ्रम का वातावरण समाज में लाना।

भारत में आतंकवाद :-
भारत के उत्तरी-पूर्वी सीमा प्रान्तों जैसे नागालैण्ड, मिजोरम, मणिपुर, और त्रिपुरा में आतंकवादी घटना स्वतंत्रता के कुछ समय बाद प्रारंभ है।
नंगालय, बिहार, और आन्ध्रप्रदेश में नक्सलवादी आतंकवाद है पंजाब में 1981 में खालिस्तान के नाम से आतंकवादी पनपा हुआ है,
कश्मीर में आतंकवाद 1975 से नियोजित रूप में सक्रीय है जिसका प्रतिउत्तर भारत बराबर देता रहा है। वर्तमान में जे.के.एल.एफ, हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर तोइबा, जैश ए मोहम्मद आतंकवादी संगठन कश्मीर में हिंसा करती रहती है।

Scanned with CamScanner

आतंकवाद के कारण :-

एलेक्जेंडर तथा फिशर ने अपनी पुस्तक आतंकवाद में स्पष्ट किया है कि आतंकवाद का कारण आधुनिक सभ्यता में निहित है। जैसे विध्वंसक हथियार, उद्योग का केन्द्रीकरण, संचार की नयी प्रणालियाँ, राष्ट्र को हथियार द्वारा कमजोर करना, और धन जमा करना और प्रजातीय चेतना का उभारना, आधुनिक सभ्यता की देन है।

आतंकवाद के निम्न कारण हैं :-

1. धार्मिक उन्माद :- दुनिया में 300 से ज्यादा ऐसे धार्मिक नेता है जो लोगों में एक विशेष धर्म, सम्प्रदाय, अथवा पंथ के प्रति धार्मिक उन्माद को गति देते हैं।

2. युवा वर्ग का विचलन :- संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार आज 9 अरब से 10 अरब तक आतंकवादी में 75% नवयुवक आतंकवादी हैं।

3. राजनीतिक कूटनीति - आतंकवाद का एक प्रमुख कारण किसी देश में अस्थिरता लाना ही राजनीतिक कूटनीति है।

4. सैनिक सरकारें :- आज पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अन्य देशों में सेना और सरकार तथा आतंकवाद तीनों मिलकर पड़ोसी देशों को हिंसात्मक गति दे रहे हैं।

5. हिंसक मनोवृत्तियाँ :- सार्वजनिक स्थानों पर बम विस्फोट एवं सामूहिक नरसंहार हिंसक मनोवृत्तियाँ आतंकवादी की है।

6. पृथकवादी आन्दोलन :- आज संसार में एक विशेष धर्म, क्षेत्र, अथवा भाषा के आधार पर पृथकवादी आतंकवाद पहचान बनाए है।

Scanned with CamScanner

7. भ्रष्ट राजनीति :- आज का राजनीतिक दल धर्म, जाति, प्रजाति, क्षेत्र, अथवा वर्ग के आधार के पर अप्रत्यक्ष रूप में आतंक का राजनीति कर रहे है।

8. आर्थिक विषमता - आज आर्थिक विषमता के कारण कालाबाजारी, तस्करी, तथा भ्रष्टाचार जैसे काम आतंकवादी कर रहे है।

9. प्रौद्योगिक विकास - सैटेलाइट, फोन, सेल्युलर फोन, ई मेल जैसे तकनीकी साधनों का प्रयोग आतंकवाद कर रहे है।

आतंकवाद के दुष्परिणाम :-

1. आतंकवाद बढ़ने से जन जीवन में असुरक्षा बढ़ी है।

2. आतंकवाद वैयक्तिक स्वतंत्रता का विरोधी है।

3. आतंकवाद के कारण भ्रष्टाचार को खुली छूट मिलने लगती है।

4. आतंकवाद से लोकतंत्र दुर्बल होता है।

5. आतंकवाद से एंथ्रेक्स के विषाणु, एवं महामारी का जन्म होता है।

6. आतंकवाद युद्ध का कारण और खतरा बन जाता है।

7. आतंकवाद के कारण जान माल, प्रतिष्ठान और उद्योग नष्ट हो जाता है।

सुझाव एवं प्रयत्न :-

1. भारत सरकार आतंकवाद से निपटने के लिए 1985 में आतंकवादी और विध्वंसकारी गतिविधि निवारण अधिनियम पास किया।

11. सितम्बर 2001 में आतंकवाद निरोधक अध्यादेश लागू किया।

अन्य सुझाव:

i. युवकों को मुख्य राष्ट्रीय धारा में लाया जाए।

ii. युवकों को रोजगार एवं सहायता दिया जाए

iii. राजनीतिक दल को धर्म, पंथ, और भाषा से नहीं प्रोत्साहित किया जाए।

iv. संचार साधनों पर गोपनीयता बरती जाए

v. अनावश्यक नागरिक को आतंक से जोड़ा जाए।

vi. एजेन्सी की स्थापना किया जाए।

vii. विद्रोही स्वभाव को मोड़ा जाए